

## अपकृत्य विधि – 1

1. अपकृत्य की परिभाषा बताइए। अपकृत्य अपराध एवं संविदा भंग से किस प्रकार भिन्न है? इसकी प्रकृति की व्याख्या कीजिए।
2. प्रतिनिधिक दायित्व के सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में स्वतन्त्र ठेकेदार के कार्यों के लिए स्वामी के दायित्व की व्याख्या कीजिए।
3. “कठोर दायित्व” के नियम की संक्षिप्त विवेचना करते हुए इसके अपवादों का वर्णन कीजिए।
4. सम्मति के आधार पर हुई क्षति की विवेचना कीजिए इसके अपवादों को निर्णीत वादों के द्वारा समझाइए।
5. “अपकृत्य एक सिविल दोष है, जिसका उपचार अनिर्धारित नुकसानी की कार्यवाही है तथा जो मात्र संविदा भंग या न्यास भंग नहीं है।” विवेचना कीजिए।
6. “मिथ्या कारावास” से आप क्या समझते हैं? इसमें और विद्वेषपूर्ण अभियोजन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
7. अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए अपकृत्य के लिए सरकार के दायित्व की विवेचना कीजिए।
8. सूत्र “बिना हानि के क्षति और बिना क्षति के हानि” की व्याख्या कीजिए तथा प्रमुख वाद भी बताइए।
9. “पूर्ण दायित्व” के नियम की सविस्तार व्याख्या कीजिए।
10. टिप्पणी :-
  - (क) दैवकृत्य
  - (ख) हमला और प्रहार
  - (ग) तन्त्रिका आघात
  - (घ) अवश्यम्भावी दुर्घटना
  - (ङ) आवश्यकता

## संविदा विधि – 1

1. सभी संविदायें करार हैं, लेकिन सभी करार संविदा नहीं होते हैं। उपरोक्त कथन के प्रकाश में वैध संविदा के आवश्यक तत्वों की विवेचना कीजिए।
2. स्वतन्त्र सहमति से आप क्या समझते हैं? उन परिस्थितियों को चर्चा करिये जब सहमति स्वतन्त्र नहीं कही जाती है।
3. प्रतिफल को परिभाषित कीजिए। भूतकालिक एवं निष्पादित प्रतिफल में अन्तर बताइए।
4. प्रस्ताव के आवश्यक तत्वों की चर्चा कीजिए एवं प्रस्ताव तथा प्रस्ताव के आमंत्रण में विभेद कीजिए।
5. प्रतिफल के बिना करार शून्य होता है? स्पष्ट कीजिए और इसके अपवादों को बताइए।
6. कपट की परिभाषा दीजिए यह दुर्व्यपदेशन से कैसे भिन्न होता है? कपट या दुर्व्यपदेशन से कारित किसी करार की शून्यकरणीयता की विवेचना कीजिए।
7. संविदा का सम्बन्ध और प्रतिफल का सम्बन्ध को समझाइए। निर्णीत वादों का सन्दर्भ भी दीजिए।
8. कल्प संविदा से आप क्या समझते हैं? कल्प संविदा के विभिन्न प्रकारों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
9. व्यापार का अवरोधक करार शून्य है। व्याख्या कीजिए यदि कोई अपवाद है।
10. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम 1963 के अन्तर्गत किन संविदाओं का विनिर्दिष्टतः पालन कराया जा सकता है और किनका नहीं। व्याख्या कीजिए।

## लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि - 1

1. अन्तर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति और स्रोतों की व्याख्या कीजिए।
2. "राज्य मान्यता एवं केवल मान्यता से ही अन्तर्राष्ट्रीय व्यक्ति होता है।" व्याख्या कीजिए।
3. प्रत्यर्पण से आप क्या समझते हैं? इसकी शर्तों की व्याख्या कीजिए। प्रत्यर्पण एवं शरण में विभेद कीजिए।
4. संयुक्त राष्ट्र के महासभा के गठन एवं कार्यों का उल्लेख कीजिए।
5. अन्तर्राष्ट्रीय विधि क्या है? इसकी कमजोरियों को बताते हुए राज्य विधि से इसके सम्बन्ध का वर्णन करें।
6. राज्य क्षेत्राधिकार से क्या समझते हैं? क्षेत्राधिकार के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख करें।
7. युद्ध को परिभाषित कीजिए। युद्ध कब प्रारम्भ होता है एवं इसे कब समाप्त माना जाता है?
8. "अन्तर्राष्ट्रीय विधि वास्तव में विधि नहीं है बल्कि नैतिक बल वाले आचरण सम्बन्धी नियमों की एक संहिता मात्र है"। इस कथन के आलोक में अन्तर्राष्ट्रीय विधि की वास्तविक प्रकृति की विवेचना कीजिए।
9. संक्षिप्त टिप्पणी –
  - (क) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय।
  - (ख) राजनायिक दूतों के विशेषाधिकार व उन्मुक्तियां।
  - (ग) खुला समुद्र।
  - (घ) द्वैतवाद का सिद्धान्त।
  - (ङ) नाकाबन्दी।
  - (च) युद्धमान आधिपत्य।
  - (छ) राष्ट्रियता।
  - (ज) महाद्वीपीय मग्न तट भूमि।

## संवैधानिक विधि – 1

1. परिसंघात्मक संविधान के लक्षणों का वर्णन कीजिए। भारत का संविधान किस सीमा तक परिसंघात्मक है? व्याख्या कीजिए।
2. भारतीय शासन अधिनियम, 1935 की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
3. मूल अधिकारों के प्रयोजन के लिए "राज्य" का क्या अर्थ है? क्या मूल अधिकार प्राइवेट व्यक्तियों, लोक निगमों एवं सरकारी कम्पनियों के विरुद्ध उपलब्ध हैं?
4. शक्ति पृथक्करण के सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं? इस सिद्धान्त को भारत के संविधान में किस सीमा तक लागू किया गया है? स्पष्ट कीजिए।
5. भाषा एवं धर्म पर आधारित अल्पसंख्यकों को अपनी रुचि की शिक्षण संस्थाएँ स्थापित करने एवं प्रशासित करने के अधिकार के विस्तार का परीक्षण कीजिए।
6. भारतीय संविधान के अनुच्छेद का निर्माण कुछ दूसरे प्रमुख संविधानों के अनुभवों के आधार पर किया गया है और इसमें भारतीय न्यायपालिका में नया रंग एवं ओज प्रदान किया है। आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
7. विधि के समक्ष समता से आप क्या समझते हैं? अनुमत वर्गीकरण को सविस्तार स्पष्ट कीजिए।
8. राज्य के नीति निर्देशक तत्व एक नये सामाजिक बदलाव के प्रति एक निर्देश है। व्याख्या कीजिए।
9. भारतीय संविधानों के अनुच्छेद 32 की प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व की व्याख्या कीजिए।
10. संक्षिप्त टिप्पणी –
  - (क) उद्देशिका
  - (ख) दोहरे जोखिम का नियम
  - (ग) विधि का शासन
  - (घ) न्यायिक पुनर्विलोकन
  - (ङ) परमादेश रिट

## पारिवारिक विधि – 1 (हिन्दू लॉ)

1. हिन्दू विधि के विभिन्न स्रोतों तथा उनके महत्व का वर्णन कीजिए।
2. हिन्दू विधि के मिताक्षरा तथा दायभाग शाखाओं में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
3. हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 के अन्तर्गत वैध विवाह के आवयक शर्तों की विवेचना कीजिए।
4. हिन्दू विवाह अधिनियम के अन्तर्गत विवाह विच्छेद के विभिन्न आधारों की विवेचना कीजिए।
5. वैध दत्तक ग्रहण के आवश्यक शर्तों की विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
6. नैसर्गिक संरक्षक कौन है तथा इसकी शक्तियों की भी विवेचना करें।
7. कर्ता कौन हो सकता है तथा इसकी शक्तियां क्या हैं?
8. विभाजन से क्या अभिप्राय है? मिताक्षरा विधि के अन्तर्गत विभाजन कैसे होता है? क्या विभाजन दोबारा हो सकता है?
9. संक्षिप्त टिप्पणी –
  - (क) भरण पोषण, स्त्रीधन।
  - (ख) दाम्पत्य अधिकारों की पुर्नस्थापना।
  - (ग) शून्य एवं शून्यकरणीय विवाह।
  - (घ) न्यायिक पृथक्करण एवं विवाह विच्छेद।
  - (ङ) दान एवं वसीयत।

## आपराधिक विधि – 1 (आई.पी.सी.)

1. अपराध को परिभाषित कीजिए तथा इसके आवश्यक तत्वों की व्याख्या करते हुए अपकृत्य से अन्तर कीजिए।
2. दण्ड को परिभाषित कीजिए। दण्ड के विभिन्न सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।
3. भा.द.स. के अन्तर्गत एक बचाव के रूप में दुर्घटना की विवेचना कीजिए।
4. व्यक्तिगत प्रतिरक्षा से आप क्या समझते हैं? उन परिस्थितियों की विवेचना कीजिए जिनमें शरीर की प्राइवेट प्रतिरक्षा का विस्तार मृत्युकारिता करने तक होता है।
5. अपराध के विभिन्न चरण कौन कौन से हैं? अपराध कारित करने में तैयारी एवं प्रयत्न के मध्य विभेद कीजिए।
6. दुष्प्रेरण को परिभाषित कीजिए तथा दुष्प्रेरण एवं आपराधिक षडयन्त्र में अन्तर कीजिए।
7. सामान्य आशय के सिद्धान्त को समझाइए। यह सामान्य उद्देश्य से किस प्रकार भिन्न हैं?
8. “अपराध के गठन के लिए दोषपूर्ण कृत्य तथा दोषपूर्ण मस्तिष्क दोनों संगामी होने चाहिए” भा.द.स. के संसुगत उपबन्धों की सहायता से टिप्पणी कीजिए।
9. निम्न पर टिप्पणी लिखिए –
  - (क) मत्तता,
  - (ख) आवश्यकता
  - (ग) राजद्रोह
  - (घ) बलवा एवं दंगा
  - (ङ) मृत्यु दण्ड

## Law of Torts - I

1. Define Tort. How is tort different from crime and breach of contract? Explain.
2. In the light of the principle of Vicarious Liability discuss the act of master for the tort of Independent Contractor.
3. Discuss briefly the 'Rule of Strict Liability'. State its exceptions if any.
4. Explain the maxim 'Volenti non fit Injuries'. Give its exceptions with the help of cases.
5. "Tort is a civil wrong, which is redressible by an action for unliquidated damages and which is other than a mere breach of contract or a breach of trust." Discuss.
6. What is false imprisonment? Distinguish it from malicious prosecution.
7. Discuss the liability of government for tort committed by its employees.
8. Explain the maxim 'Injuria sine dammo' and Damnum sine Injuria with leading cases.
9. Explain in detail the rule of 'Absolute liability'.
10. Short Note.
  - a. Act of God
  - b. Assault & Battery
  - c. Nervos Shock
  - d. Inevitable accident
  - e. Necessity

## Law of Contract - I

1. "All contracts are agreement but all agreements are not contract". In the light of above remark discuss the essentials of a valid contract.
2. What do you mean by free consent? Discuss the circumstances in which consent is not said to be free.
3. Define consideration and differentiate between past and executed consideration.
4. Discuss the essential elements of proposal and differentiate between offer and invitation of offer.
5. 'An agreement without consideration is void'. Discuss and state the exceptions.
6. Define fraud. How does it differ from misrepresentation? Discuss the voidability of an agreement caused by fraud or misrepresentation.
7. Explain the privity of contract and 'privity of consideration'. Give the reference of decided cases.
8. What do you understand by 'Quasi contract'? Discuss in brief the various kinds of quasi contracts.
9. Agreement in restraint of trade is void. Explain if any exceptions.
10. What contracts can be and cannot be specifically enforced under the Specific Relief Act, 1963? Explain.



## Public International Law - I

1. Discuss the nature and sources of International Law? What do you agree the general Principles of law recognized by civilized state are main sources.
2. State becomes an international Person through recognition only exclusively". Discuss.
3. What do you understand by extradition? Discuss its condition? Differentiate between extradition and Asylem.
4. Discuss the composition and Functions of United Nations General Assembly?
5. Define the term 'International Law'. Discuss its weaknesses as well as its difference with Municipal Law.
6. Explain the meaning of the 'State Jurisdiction'. What are different modes of state Jurisdiction.
7. Define the term War. How the war is commenced & terminated.
8. International Law is not a true law but a code of rules of conduct of moral force only. In the light of this statement discuss the true nature of International Law.
9. Short Notes -
  - a. International Court of Justice
  - b. Privileges and immunities of diplomatic Ambassador.
  - c. High sea.
  - d. Doctrine of Dualism.
  - e. Blockade.
  - f. Belligerent occupations.
  - g. Nationality .
  - h. Continental Shelf.

## Constitutional Law - I

1. Discuss the characteristics of a Federal Constitution. How for the constitution of India is Federal? Explain.
2. Discuss the main features of government of India Act, 1935. How it affected the making of Indian Constitution?
3. Define the meaning of state for the purpose of Fundamental Rights? Are the Fundamental Rights available against private Individual, Public corporation and government companies. Explain.
4. What do you understand by the doctrine of separation of powers? How for this doctrine is applicable in the constitution of India? Explain.
5. Examine the scope of the right of religious and linguistic minorities to establish and administer educational institutions of their choice.
6. Article 21 of the constitution of India has been formed on the experiences of the some of the Leading constitutions and to this the Indian Judiciary has given new colour and vigour. Critically examine.
7. What do you understand by 'equality before law'? Elucidate the scope of permissible classification.
8. Directive Principle of state policy is a direction for new social change. Explain.
9. Explain the nature scope and importance of Article 32 of the Indian Constitution.
10. Short Notes -
  - a. The Preamble.
  - b. The rule of double Jeopardy.
  - c. Rule of Law.
  - d. Judicial Review
  - e. Writ of Mandamus.

## Family Law - I (Hindu Law)

1. Discuss the resources of Hindu Law and its Importance.
2. What are the main difference between the Mitakshra & Dayabhaga Schools of Hindu Law?
3. Described the essential condition of a void Hindu marriage under the Hindu marriage Act, 1955.
4. Described the various ground of divorce.
5. Explain with detail essential element of valid adoption.
6. Who is the natural guardian and described his powers.
7. Who is the Karta and explain its powers.
8. What do you mean by Partition. Discuss the various method of partition can reopening of partition is Allowed? Explain.
9. Shorts Notes -
  - a. Restitution of conjugal Rights.
  - b. Void & Voidable marriage.
  - c. Judicial separation & Divorce
  - d. Gift and will
  - e. Stridhan
  - f. Maintenance

## Criminal Law - I (I.P.C.)

1. Define Offence and explain its essentials. How is it different from Tort.
2. Define punishment and explain different principle of punishment.
3. Discuss accident as defence under Indian Penal Code.
4. What do you understand by private defence ? Discuss the circumstances under which the right to private defense of body intends to causing death.
5. What are the various stages of crime? Differentiate between preparation and attempt to commit crime.
6. Define abetment and distinguish between abetment and criminal conspiracy.
7. Explain the principle of common intention and how it differs from common object?
8. "Actus non facit rem, nisi mens sit rea" comment with the help of relevant provision of Indian Penal Code.
9. Short Note -
  - a. Intoxication
  - b. Necessity
  - c. Sedition
  - d. Riot and Affray
  - e. Capital Punishment